[This question paper contains 2 printed pages.]

LIBRARY 14/5/18

Your Roll No. ....

Sr. No. of Question Paper : 4410

HC

Unique Paper Code : 12051401

Name of the Paper : Bhartiya Kavyashastra (भारतीय काव्यशास्त्र)

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Hindi – CBCS**

Semester : IV

Duration : 3 hours

Maximum Marks : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

2. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा का संक्षिप्त परिचय देते हुए आचार्य आनंदवर्धन के योगदान पर प्रकाश डालिए।

अथवा

संस्कृत आचार्यों द्वारा प्रस्तुत काव्य-लक्षणों पर विचार कीजिए। (12)

2. रस की परिभाषा देते हुए रस के विविध अंगों का परिचय दीजिए।

अथवा

P.T.O.

लक्षणा शब्द-शक्ति की परिभाषा देते हुए उसके विविध प्रकारों पर सोदाहरण प्रकाश डालिए। (12)

3. खंडकाव्य **अथवा** एकांकी का तात्विक विवेचन कीजिए। (12)

4. (क) किन्हीं **तीन** अलंकारों के लक्षण-उदाहरण लिखिए - (9)

अनुप्रास वक्रोक्ति श्लेष

विभावना रूपक उत्प्रेक्षा

(ख) किन्हीं **तीन** छंदों के लक्षण-उदाहरण लिखिए - (9)

सवैया दोहा द्रुतविलंबित

चौपाई हरिगीतिका कुंडलिया

5. किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए - (7×3=21)

(क) भामह के अनुसार काव्य-प्रयोजन

(ख) वीर रस

(ग) माधुर्य गुण

(घ) विभावना और विशेषोक्ति में अंतर

(ङ) मात्रिक और वर्णिक छंदों में अंतर

This question paper contains 4 printed pages.

Your Roll No. ....

DESHBANDHU COLLEGE LIBRARY Kalkaji, New Delhi-19
19/5/18

HC

S. No. of Paper : 4625

Unique Paper Code : 12051402

Name of the Paper : हिन्दी कविता (छायावाद के बाद)

Name of Course : B.A.(Hons.) Hindi - CBCS

Semester : IV

Duration : 3 hours

Maximum marks : 75

इस प्रश्न–पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. सप्रसंग व्याख्या कीजिए 7.5 x 2=15

(क) कई दिनों तक चूल्हा रोया, चक्की रही उदास
कई दिनों तक कानी कुतिया सोई उनके पास
कई दिनों तक लगी भीत पर छिपकलियों की गश्त
कई दिनों तक चूहों की भी हालत रही शिकस्त।

अथवा

खड़ा हुआ वह बीच सड़क पर
दोनों हाथ पेट पर रख कर
सधे कदम रख करके आए
लोग सिमट कर आँख गड़ाए
लगे देखने उसको, जिसकी तय था हत्या होगी

P. T. O.

(ख) क्या अंतरिक्ष में गिर गई हैं सारी गेंदें
क्या दीमकों ने खा लिया है
सारी रंग बिरंगी किताबों को
क्या काले पहाड़ के नीचे दब गए हैं सारे खिलौने
क्या किसी भूकंप में ढह गई हैं
सारे मदरसों की इमारतें
क्या सारे मैदान, सारे बगीचे और घरों के आँगन
खत्म हो गए हैं एकाएक

अथवा

अँधेरे में गा रहे थे वे
मशाल जलाकर
कहना कठिन था कि जो छन रही थी रौशनी
अँधेरे के छिद्रों से
वह उनके कंठों से आ रही थी
या मशाल से
पर जल दोनों रहे थे।

2. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं दो का रचना-कौशल स्पष्ट कीजिए: 7.5 x 15

(क) सांप
तुम सभ्य तो हुए नहीं
नगर में बसना
भी तुम्हें नहीं आया।
एक बात पूछूँ- (उत्तर दोगे?)
तब कैसे सीखा डँसना-
विष कहाँ पाया?

(मूल संवेदना)

(ख) फिर भी मुझे ख्याल रहता है
कि पेशेवर हाथों और फटे जूतों के बीच
कहीं-न-कहीं एक अदद आदमी है
जिस पर टाँके पड़ते हैं,
जो जूते से झाँकती हुई अँगुली की चोट छाती पर
हथौड़े की तरह सहता है।

(काव्य बिम्ब)

(ग) इन नये बसते इलाकों में
जहाँ रोज बन रहे हैं नये-नये मकान
मैं अक्सर रास्ता भूल जाता हूँ
धोखा दे जाते हैं पुराने निशान
खोजता हूँ ताकता पीपल का पेड़
खोजता हूँ ढहा हुआ घर
और जमीन का खाली टुकड़ा जहाँ से बायें
मुड़ना था मुझे।

(भाव सौन्दर्य)

3. अज्ञेय की काव्य-भाषा का मूल्यांकन कीजिए। 15

अथवा

धूमिल की कविताओं में अभिव्यक्त सामाजिक सरोकारों का विवेचन कीजिए।

4. नागार्जुन की काव्य कला पर प्रकाश डालिए। 15

अथवा

नवगीत लेखन की परम्परा में शंभुनाथ सिंह का योगदान स्पष्ट कीजिए।

5. 'रामदास' कविता अपने समय की भयावहता और त्रासदी का आख्यान है— समीक्षा कीजिए। 15

अथवा

'पानी की प्रार्थना' कविता की संवेदना स्पष्ट कीजिए।

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No..............

HC

Deshbandhu College Library Kalkaji, New Delhi-19
29/1/18

Sr. No. of Question Paper : 4670

Unique Paper Code : 12051403

Name of the Paper : Hindi Paper-X (Hindi Upanyas)

Name of the Course : **B.A. (H) Hindi – CBCS**

Semester : IV

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

1. प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए : (7.5×2=15)

(क) हूर भी आ जाय, तो उसकी तरफ आँखे उठाकर न देखेंगे, लेकिन खिदमत और मुहब्बत का जादू उन पर बड़ी आसानी से चल सकता है। यही खौफ है। मैं आपसे सच्चे दिल से कहती हूँ बहन, मेरे लिए इससे बड़ी खुशी की बात नहीं हो सकती कि आप और वह फिर मिल जायँ, आपस का मनमुटाव दूर हो जाय। मैं उस हालत में और भी खुश रहूँगी मैं उनके साथ न गयी, इसका यही सबब था।

अथवा

तुम जानते हो परवश होना मुझे भी नहीं भाया, पर जहाँ वश न चले वहाँ क्या हो! निश्चय, परवशता में सुख नहीं है। किन्तु नितान्त एकाकी, स्वाधीन न होकर कैसे सुख मिल सकता है, यह भी मैं नहीं जानता। मुझे ऐसा मालूम होता कि आदमी को समर्पित होना होगा। ताड़ के पेड़ की तरह ऊँचा तन कर अकेले खड़े रह सकने में आदमी की सिद्धि है, यह मैं नहीं मानूँगा।

(ख) "अभी तुमने जीवन सोपान की आरम्भिक सीढ़ी पर पांव रखा है। जीवन दीर्घ और विस्तृत है। पुत्र किसी एक स्त्री के अभाव में जीवन को व्यर्थ समझना केवल कायरता है। यदि दिव्या जीवित होती तो वह भी तुम्हारे लिये प्राप्य होती। जो मृत और बीत गये की चिन्ता में अकर्मण्य होता है, उसे मूर्ख कहते हैं।"

अथवा

"जवानी यो ही अंधी होती है बहूजी, फिर बुढ़ापे में उठी हुई जवानी। महासत्यानाशी! साहब ने जो किया तो आपकी मट्टी-पलीद हुई और अब आप जो कर रही हैं, इस बच्चे की मट्टी-पलीद होगी। चेहरा देखा है बच्चे का? कैसा निकल आया है, जैसे रात-दिन घुलता रहता हो भीतर ही भीतर।"

2. किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए : (7.5×2=15)

(क) 'सुनीता' उपन्यास की कथावस्तु।

(ख) 'कर्मभूमि' में नारी-जागृति।

(ग) "आपका बंटी" की भाषा।

(घ) 'दिव्या' में व्यक्त सामन्ती समाज।

3. प्रेमचंद ने सर्वत्र सेवा, त्याग और प्रेम पर बल दिया है। 'कर्मभूमि' उपन्यास के आधार पर इस कथन की विवेचना कीजिए। (15)

अथवा

अमरकांत का चरित्र-चित्रण कीजिए।

4. "'आपका बंटी' उपन्यास में मन्नू भंडारी ने पति-पत्नी के संबंधों की समस्या को उद्घाटित किया है।" इस परिप्रेक्ष्य में 'आपका बंटी' उपन्यास का मूल्यांकन कीजिए। (15)

अथवा

'आपका बंटी' उपन्यास की रचना क्या बाल मनोविज्ञान की गुत्थियाँ सुलझाने के उद्देश्य से ही की गयी हैं ? समीक्षा कीजिए।

5. 'सुनीता' उपन्यास का नायक न होते हुए भी हरिप्रसन्न उसकी अधिकांश घटनाओं की धुरी है। इस दृष्टि से हरिप्रसन्न का चरित्र-चित्रण कीजिए। (15)

अथवा

'दिव्या' उपन्यास के नामकरण के औचित्य पर विचार कीजिए।